एक प्यारा एक्सीडेंट

दोस्तों! मेरा नाम समीर है और मैं पंजाब के भटिंडा शहर का रहने वाला हूं। आज मैं आपको अपनी और मेरी एक दोस्त की कहानी बताने जा रहा हूं जो कि एक एक्सीडेंट से शुरू होती है आज से लगभग पांच साल पहले एक दिन जब मैं पापा की कार में कॉलेज जा रहा था अचानक एक छोटा सा बच्चा अपने घर से निकला और मेरी कार के आगे आ गया। मैं बहुत घबरा गया, मैंने उसे उठाया और उसके घर में ले गया उसे कोई चोट नहीं लगी थी जब मैं अंदर गया तो मैंने देखा कि वो मेरी क्लास मेट सुमन का छोटा भाई था। मैंने सुमन को बताया कि कैसे ये सब कुछ हुआ। सुमन ने अपने भाई को देखा और उसे पानी पिलाया। वो बिल्कुल ठीक था। सुमन ने मुझे पानी दिया। उस दिन के बाद सुमन मुझसे काफी घुलमिल गयी। धीरे धीरे हम एक दुसरे के बहुत करीब आ गये। मैं तो वैसे भी सुमन की खूबसूरती का दिवाना था। सुमन बहुत गोरी चिट्टी एकदम मलाई की तरह थी। 22 वर्षीय देखने में लम्बी चौड़ी दूध की तरह गोरी जिसके बड़े-बड़े बूब्स जो हर वक्त कमीज से बाहर आने के लिये तैयार थे और उसकी फीग़र तो बस पूछो ही मत क्या कमाल की थी। मैं मन ही मन में हर वक्त उसे चोदने के प्लान बनाता रहता था। आख़िर वो दिन आ ही गया उस दिन उसके भाई का जन्मदिन था। सुमन का सुबह सुबह ही फोन आया और मुझे जन्मदिन की तैयारी करने के लिये बुलाया। मैं जल्दी से उसके घर पहुंचा। हम दोनो तैयारी करने लगे। दोपहर को उसकी मम्मी उसके भाई के साथ बाज़ार चली गयी। अब घर में हम दोनो अकेले थे, हल्का-हल्का म्युज़िक चल रहा था। मैंने सुमन से कहा डांस करने का मन हो रहा है सुमन ने कहा चलो। हम दोनो धीरे-धीरे डांस करने लगे। डांस करते हुए मैंने अपना हाथ सुमन की पीठ पर सहलाने लगा। सुमन धीरे धीरे गरम होने लगी। मैंने हल्के से सुमन को किस किया वो बोली कोई आ जायेगा। मैं तुरन्त समझ गया कि वो भी इसे पसन्द करती है। मैंने सुमन को कहा क्या तुम्हें ये सब पसन्द नहीं, तो वो बोली नहीं, ये बात नहीं मुझे तो मां के आने का डर लग रहा है। मैंने सुमन को कहा कुछ नहीं होगा ऑन्टी को आने में अभी एक घन्टा लगेगा। पहले तो उसने मना किया पर मेरे बार बार कहने पर वो मान गयी। उसकी सहमति पाकर मैंने धीरे से उसका हाथ

खींचा और उसे अपनी बाँहो में समेट कर उसके होंठों पर अपने होंठों को रख दिया वो शर्माती हुई मेरे होंठों को चूसने लगी, मुझे पता था मेरे पास ज्यादा समय नहीं इसलिये मैंने समय खराब किये बिना जल्दी से उसकी कमीज़ उतार दी, उसके मोटे मोटे बूब्स जो तो पहले ही बाहर आने को बेकरार रहते हैं ब्रा से बाहर आते ही बड़े बड़े आम की तरह दिखने लगे। मैं तो उन्हें देख कर पागल हो गया और उसे जोर जोर से मसलने लगा। सुमन कहने लगी दर्द हो रहा है जरा धीरे से दबाओ। पर मुझसे तो Control ही नहीं हो रहा था। फिर मैंने अपना हाथ उसकी शलवार में डाल दिया वो शर्माने लगी और मुझे रोकने लगी। पर मैं कहां रुकने वाला था। मैं फिर से उसके होंठों को चूसने लगा वो गरम होने लगी, मैंने धीरे से उसकी शलवार का नाड़ा खोल दिया। सुमन ने काले रंग की पैन्टी पहनी थी, मैंने उसे भी उतार फेंका। अब वो मेरे सामने बिल्कुल नंगी पड़ी हुई थी। उसके दूध की तरह गोरे बदन को देखकर मुझसे रहा नहीं गया और मैंने अपने कपड़े भी उतार फेंके। मैंने ज्यादा देर करना ठीक नहीं समझा और जल्दी से अपना लंड उसकी चूत के मुंह पर रखा और जोर से धक्का दिया। मेरा आधा लंड उसकी चूत में घुस गया और वो जोर से चिल्लाई और मैंने एक और जोर से धक्का दिया तो पूरा का पूरा लंड उसकी नाजुक चूत में समा गया। अब मैंने जोर जोर से अपनी कमर हिलाना चालू किया और मेरा लंड उसकी चूत को फाड़ते हुये अन्दर बाहर होने लगा, उसको अब मजा आने लगा था और वो भी अब अपनी कमर हिलाने लगी थी, मैंने उसे जोर जोर से चोदना चालू किया ऐसा करीबन 15 मिनट चला और वो झड़ गई और उसके 5 मिनट बाद मैं भी झड़ गया। हमने जल्दी से कपड़े पहने और फिर से तैयारी में जुट गये। इस के बाद मुझे फिर कभी भी सुमन को चोदने का मौका नहीं लगा पर मुझे वो दिन हमेशा याद रहेगा। आपको ये कहानी कैसी लगी जरूर लिखियेगा, मेरा ई–मेल आईडी: WWW.smig_love@yahoo.co.in है ।